|  |
| --- |
| http://www.results.manabadi.co.in/images/UOH_LOGO.gif**हैदराबाद विश्‍वविद्यालय****University of Hyderabad****School of Humanities****Department of Hindi** |
| **Syllabus of the course****Course : Ph.D. Hindi (Language and Literature)****Semester : 1****Course No. : HH 801****Title of the Course : Critical Approaches to Research****(अनुसंधान की विविध दृष्टियाँ और उपागम)**  |
| **Session**  : July –Nov.**Core/Optional :** Core **No. of Credits :** 4 (Four)**Lectures** : 4 session / week ( 1hour/session) | Course Instructor : Prof. R.S. SarrajuPhone Number / Email : rssarraju@gmail.com |
| **Introduction/परिचय :**  |
| अनुसंधान के लक्ष्यों व आशयों तक पहुँचने की विधि को ही उपागम कहा जाता है । अनुसंधान के लिए चयनित समस्या के लक्षण, स्वरूप और प्रकृति आदि के कारणों पर चिंतन करने में और प्रामाणिक रूप में अनुसंधान के लिए चयनित समस्या या विषय के विभिन्न आयामों को अलग करते हुए शोध-निष्कर्ष तक पहुँचने में उपागम सहायक होता है । विभिन्न ज्ञान क्षेत्रों के विकास के साथ-साथ अलग-अलग उपागमों का विकास अनुसंधान के क्षेत्र में हुआ । किसी एक सिद्ध ज्ञान क्षेत्र का एक विधान होता है । मानविकी, समाजविज्ञान, और विज्ञान के क्षेत्रों के विकास के साथ-साथ अनुसंधान के विविध उपागमों का विकास हुआ। उदाहरण के लिए समाजशास्त्रीय, ऐतिहासिक, मनोवैज्ञानिक उपागम आदि । शोधार्थी को ज्ञान क्षेत्रों के विकास के साथ-साथ विकसित अनुसंधान के उपागमों का परचिय देना और शोधार्थी के द्वारा चयनित विषय या शोध-समस्या के संदर्भ में उपागम के अनुप्रयोग की विधि से अवगत कराना प्रस्तुत पाठ्यक्रम का आशय है। |
| **Course outline/पाठ्‌यविषय :**  |
| **इकाई - एक :** शोध की दृष्टि और उपागम का अर्थ एवं स्वरूप शोध उपागम – आवश्यकता एवं व्यावहार, उपागम का स्वरूप, विविध उपागमों का विकास**इकाई - दो :**साहित्यिक अनुसंधान और साहित्येतर अनुसंधान के उपागम हिन्दी अनुसंधान में विभिन्न उपागमों का अनुप्रयोग **इकाई - तीन :**अनुसंधान की विविध दृष्टियाँ और उपागम-समाजशास्त्रीय, मनोविश्लेषणवादी दृष्टि, ऐतिहासिक दृष्टि इत्यादि ।**इकाई - चार :**संप्रेषण की पद्धतियाँ और साहित्यिक विधाओं के अनुसंधान की समस्याएँ**इकाई - पाँच :**अंतर्विद्यावर्ती अनुसंधान और ज्ञान के नये क्षेत्र |
| **Suggested Readings / सहायक ग्रंथ** : |
| 1. रेने वेलक – आलोचना की धारणाएँ – (अनुवाद) – इन्द्रनाथ मदान – हरियाणा हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, चंडीगढ़
2. साहित्य अध्ययन की दृष्टियाँ – (सं.) उदायभानु सिंह, हरभजन सिंह, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
3. हिन्दी शोधतंत्र की रूपरेखा – डॉ. मनमोहन सहगल
4. शोध का स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि – बैजनाथ सिंहल
5. शोध प्रविधि और प्रक्रिया – डॉ. चन्द्रभान राव, डॉ. रामकुमार खण्डेलवाल
6. अनुसंधान की प्रक्रिया – डॉ. माताप्रसाद गुप्त
7. शोधतंत्र और दृष्टि – डॉ. रामेश्वर खण्डेलवाल
8. अनुसंधान : प्रविधि और क्षेत्र – राजमल बोरा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
9. शोध और सिद्धान्त – नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
10. शोध-प्रविधि – विनयमोहन शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
11. शोध स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि बैजनाथ सिंहल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
12. संरचनात्मक शैली वैज्ञान - रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, आलेख प्रकाशन, नई दिल्ली
13. हिन्दी पाठानुसन्धान - कन्हैया सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
14. Abdul Rahim , F. (2005), Thesis Writing : A Manual for Researchers ( New Delhi : New Age International Ltd.)
15. Adam Sirjohn (2004), Research Methodology : Methods & Techniques, (New Delhi : New Age International Ltd.)
16. Altick, R.D. (1963), The Art of Literary Research New York : Norton
17. Barker, Nancy and Nancy Hulig (2000), A Research Guide for Under Graduate Students : English and American Literature, New York : MLA of America
18. Bateson, F.W. (1972), The Scholar Critic : An Introduction to Literary Research London : Routledge
19. Brown, James Dean (2006), Understanding Research in Second Language, Learning New York : Cambridge University Press.
20. Caivary, R & Nayak V.K. (2005), Research Methodology, S.Chand
21. Chindhade, S. and A. Thorat (2009), An Introduction to Research, Mumbai : CUP
22. Eliot, Simon and W.R. Owens (4 edn.1998), A Handbook to Literary Research London : Routledge & Open University
23. Gibaldi, Joseph (6rdn. 2003), MLA Handbook for Writers of Research Papers, New York :
24. MLA Association 11, Gupta, R.K. (1971), American Literature Fundamentals of Research ASRC , Hyderabad
25. Harner, James L. (2002), Literary Research Guide : An Annotated Listing of Reference Sources in English Literary Studies, New York : MLA of America
26. Hunt, Andy (2005), Your Research Project, New Delhi : Foundation Books
27. Kothari, CR (1985), Research Methodology: Methods & Techniques Delhi: New Age International Ltd.
28. Lenburg, Jeff (2007), Guide to Research, Viva Books.
 |
| **Pattern of Examination / परीक्षा का पैटर्न :****( Internal Examinations and End-Semester Exam details and evaluation pattern)** |
| आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक-40 {लिखित (अंक-10), मौखिक (अंक-10), सेमिनार (अंक-10) में से किन्हीं दो परीक्षाओं में अर्जित सर्वोच्च अंकों का योग (10+10=20) + प्रदत्त कार्य (Assignment) के अंक-20}सत्रांत परीक्षा : अंक-60 |

**\*\*\*\*\***

|  |
| --- |
| http://www.results.manabadi.co.in/images/UOH_LOGO.gif**हैदराबाद विश्‍वविद्यालय****University of Hyderabad****School of Humanities****Department of Hindi** |
| **Syllabus of the course****Course : Ph.D. Hindi (Language and Literature)****Semester : 2****Course No. : HH 802****Title of the Course : The Ideological background of Hindi Literature** **(हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि)**  |
| **Session**  : Jan-May**Core/Optional :** Core **No. of Credits :** 4 (Four)**Lectures** : 4 session / week ( 1hour/session) | Course Instructor : Prof. Gajendra Kumar Pathak Dr. Bhim SinghPhone Number / Email : gkpsh@uohyd.ernet.in |
| **Introduction/परिचय :**  |
| साहित्य की मूलभूत संरचना में विचारधारा अंतर्निहित रहती है । विचारधारा और साहित्य के अन्तःसंबंधों को स्पष्ट करते हुए हिन्दी साहित्य के इतिहास और सृजन की प्रक्रिया में विचारधारा के महत्व और उसकी उपलब्धियों के मूल्यांकन का परिचय देना प्रस्तुत पाठ्यक्रम का आशय है । हिन्दी भाषायी क्षेत्र के साहित्य सृजन के उद्धेश्यों, विषयवस्तु और विधात्मक विकास तथा सृजन प्रक्रिया के विचारधारात्मक और दार्शनिक निर्धारक कारकों का विश्लेषण करते हुए शोधार्थी की समझ का विस्तार करना और शोध-योग्यताओं को विकसित करना भी इस पाठ्यक्रम का लक्ष्य है ।  |
| **Course outline/पाठ्‌यविषय :**  |
| **इकाई - एक :** विचारधारा और साहित्य, मध्ययुगीन बोध का स्वरूप, विभिन्न धर्म साधनाएँ और वैष्णव धर्मान्दोलनमध्ययुगीन-बोध और आधुनिकता-बोध की ओर प्रस्थान **इकाई - दो :**आधुनिकता-बोध और औद्योगिक-संस्कृतिभारतीय चिन्तन परंपरा और पाश्चात्य चिन्तन परंपरा, भारतीय परिप्रेक्ष्य में हिन्दी साहित्य के विकास का विश्लेषण पुनर्जागरण, पुनरुत्थान और हिन्दी लोक-जागरण, हिन्दी नवजागरण**इकाई - तीन :**आधुनिक भारत की सामाजिक सांस्कृतिक पृष्ठभूमिराष्ट्रीय स्वातंत्र्य आंदोलनभारतीय सांविधानिक व्यवस्था-लोकतंत्र, समाजवाद, पंथनिरपेक्षता**इकाई - चार :**हिन्दी साहित्य से संबद्ध विशिष्ट मतवाद-आध्यात्मवाद, गाँधीवाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, मानववाद, मानवतावाद, अस्तित्ववाद, अन्तश्चेतनावाद, उत्तर-आधुनिकतावाद आदि**इकाई - पाँच :**समकालीन अस्मितामूलक चिंतन -- आदिवासी-चेतना, अल्पसंख्यक-चेतना, दलित-चेतना, स्त्री-विमर्श, आंचलिक और महानगर बोध **इकाई – छह**हिन्दी साहित्य की विभिन्न विधाओं का विकास, अंतर्विधापरक अध्ययन और अंतर्विद्यापरक अध्ययन, भाषा वैज्ञानिक, भाषा प्रौद्योगिकी, साहित्य में विज्ञान का बोध, हिन्दी साहित्य और मास मीडिया ।  |
| **Suggested Readings / सहायक ग्रंथ** : |
| 1. साहित्य विचार, आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन
2. साहित्य और इतिहास दृष्टि, मैनेजन पांडेय
3. भारतेंदु और भारतीय नवजागरण, शंभुनाथ
4. राष्ट्रीय मुक्ति आंदोलन और प्रसाद, शंभुनाथ
5. सामाजिक क्रांति के दस्तावेज (दो खंड), शंभुनाथ
6. 1857 नवजागरण और भारतीय भाषाएँ, शंभुनाथ
7. साहित्य का इतिहास दर्शन, नलिन विलोचन शर्मा, भारतीय भाषा परिषद्, पटना
8. आधुनिक कविता में विचार, बलदेव वंशी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
9. समकालीन हिन्दी साहित्य विविध विमर्श, श्रीराम शर्मा,
10. लोकजागरण और हिन्दी साहित्य, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, सं. रामविलास शर्मा वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
 |
| **Pattern of Examination / परीक्षा का पैटर्न :****( Internal Examinations and End-Semester Exam details and evaluation pattern)** |
| आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक-40  {लिखित (अंक-10), मौखिक (अंक-10), सेमिनार (अंक-10) में से किन्हीं दो परीक्षाओं में अर्जित सर्वोच्च  अंकों का योग (10+10=20) + प्रदत्त कार्य (Assignment) के अंक-20}सत्रांत परीक्षा : अंक-60 |